Conditional Sentences

अगर ... तो ...

For more details see: Conditionals and Counterfactuals

Copyright © 2009 Jishnu Shankar

Credited downloads allowed for non-commercial purposes

हिन्दी उर्दू फ़्लैगशिप
HINDI URDU FLAGSHIP
THE UNIVERSITY OF TEXAS AT AUSTIN
اُردو ہندی فلیگشِپ

Credits and References

Authentic Materials presented with permission from:

Name	Source
Hindustan	Hindustan e-paper - http://epaper.hindustandainik.com/Default.aspx
Nai Dunia	Leading National Hindi Daily, published from Delhi and other major cities of India - http://epaper.naidunia.com/epapermain.aspx

References	
Snell, Rupert and Simon Weightman.	2003. Teach Yourself Hindi. Chicago: McGraw Hill.
Jain, Usha.	1995. Introduction to Hindi Grammar. Berkeley: University of California.
McGregor, R. S.	1995. Outline of Hindi Grammar. New York: Oxford University Press.

अगर and यदि

These two terms introduce subordinate clauses, where the principal clause is introduced with तो.

I. If principal clause is in future:

A) Conditional clause can be in future, subjunctive or present

B) Conditional clause can be in perfective.

II. If principal clause is about an unrealized past condition:

Conditional clause as well as principal clause verbs occur in imperfective participle form.

Examples follow.

विज्ञापन

"अगर आज हम यह नहीं करेंगे तो, इतिहास हमें कभी माफ नहीं करेगा"
डॉ. अनिल ककोडकर
प्रमुख, परमाणु ऊर्जा आयोग
भारत की तेजी से विकासशील अर्थव्यवस्था को हर प्रकार की ऊर्जा की निरंतर आवश्यकता है
स्वतंत्रता के 60 वर्ष के बाद भी हम अपने हर गांव, कस्बे, शहर और राज्य को निरंतर और सस्ती बिजली और पर्याप्त मात्रा में ऊर्जा उपलब्ध कराने की कठिन चुनौती का सामना कर रहे हैं
नाभकीय ऊर्जा सबसे अच्छा, पर्यावरण की दृष्टि से साफ-सुथरा और सुरक्षित ऊर्जा का स्रोत है। इससे किसी भी अन्य स्रोत के मुकाबले अधिक ऊर्जा उत्पन्न होती है और यह पुन: पूर्ति योग्य है।
अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के मूल्यों में निरंतर वृद्धि हो रही है, आगामी वर्षों में इसकी सुलभता, उपलब्धता और इसके ऊंचे मूल्य गंभीर मुद्दों के रूप में उभरकर सामने आएंगे
जल, ताप, तेल और गैस आदि के सभी संसाधन हमारी आवश्यकताओं को पूरा करने में अपर्याप्त सिद्ध हो जाएंगे
सरकार ने अपने निरंतर राजनयिक प्रयासों के जरिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय का समर्थन जुटाने में सफलता प्राप्त की है
अब आवश्यकता इस बात की है कि पूरा राष्ट्र एकजुट होकर सरकार का समर्थन करे ताकि आर्थिक विकास और देश के उज्जवल भविष्य का मार्ग प्रशस्त हो सके।
सत्यमेव जयते
पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय
भारत सरकार
उज्जवल भविष्य के लिए ऊर्जा बचाएं
45-55 कि.मी./घंटा की इष्टतम गति पर गाड़ी चलाएं • टायरों में हवा का दबाव ठीक रखें • लाल बत्ती पर गाड़ी बंद कर दें
• गाड़ी चलाते समय क्लच का अनावश्यक प्रयोग न करें • अपनी गाड़ी के इंजन को ट्यून करवाएं

गर मांगी भीख तो पुलिस लेगी खींच

प्रमुख संवाददाता नई दिल्ली

राजधानी में अब भिखारियों की खैर नहीं है। दिल्ली सरकार ने भिखारियों को पकड़कर जेल भेजने का फैसला किया है। इसके लिए भिखारियों का बॉयोमैट्रिक डाटा तैयार किया जाएगा। भिखारियों पर लगाम लगाने के लिए सरकार एंटी बैगर एक्ट में बदलाव लाने पर भी विचार कर रही है।

राजधानी में अभी हालत यह है कि दिल्ली के 12 बैगर होम में 3600 भिखारियों को रखने का इंतजाम है। इसके मुकाबले केवल 1400 भिखारी ही रह रहे हैं। नशे के आदी ज्यादातर भिखारी बैगर होम में जाना भी नहीं चाहते हैं। भिखारियों को पकड़ने, मामला दर्ज करने और कोर्ट में भेजने की प्रक्रिया भी लंबी होती है। भिखारियों के खिलाफ अभी मुंबई प्रीवेंशन ऑफ बैगिंग एक्ट 1959 के तहत कार्रवाई की जाती है।

सरकार का कदम

- एंटी बैगर एंक्ट में बदलाव पर विचार
- भिखारियों का बॉयोमैट्रिक डाटा हो रहा है तैयार

राजधानी में औसतन करीब 2600 भिखारी हर साल पकड़े जाते हैं। ज्यादातर मामलों में भिखारी कोर्ट से रिहा हो जाते हैं। कुछ भिखारियों को पकड़कर बैगर होम भेजा जाता है। इसके बावजूद भिखारियों की तादाद लगातार बढ़ रही है।

समाज कल्याण मंत्री डा. योगानंद शास्त्री ने बताया कि दिल्ली सरकार राष्ट्रमंडल खेलों से पहले राजधानी को भिखारी मुक्त बनाने का फैसला किया है। इसके लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग ने एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करके सरकार को दी है।

डा. शास्त्री ने बताया कि दिल्ली सरकार ने भिखारियों का रिकार्ड तैयार करने के लिए दिल्ली गेट पर पहला बायोमैट्रिक केंद्र भी शुरू किया है। इससे भिखारियों की शिनाख्त कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि मुंबई बैगर एक्ट के प्रावधान के तहत पहली बार भिखारी को चेतावनी देकर छोड़ दिया जाता है। भिखारियों को पकड़ने के बाद अपना काम शुरू कराने के लिए प्रेरित किया जाता है। इसके बावजूद ये लोग फिर भीख मांगना शुरू कर देते हैं।

विज्ञापन

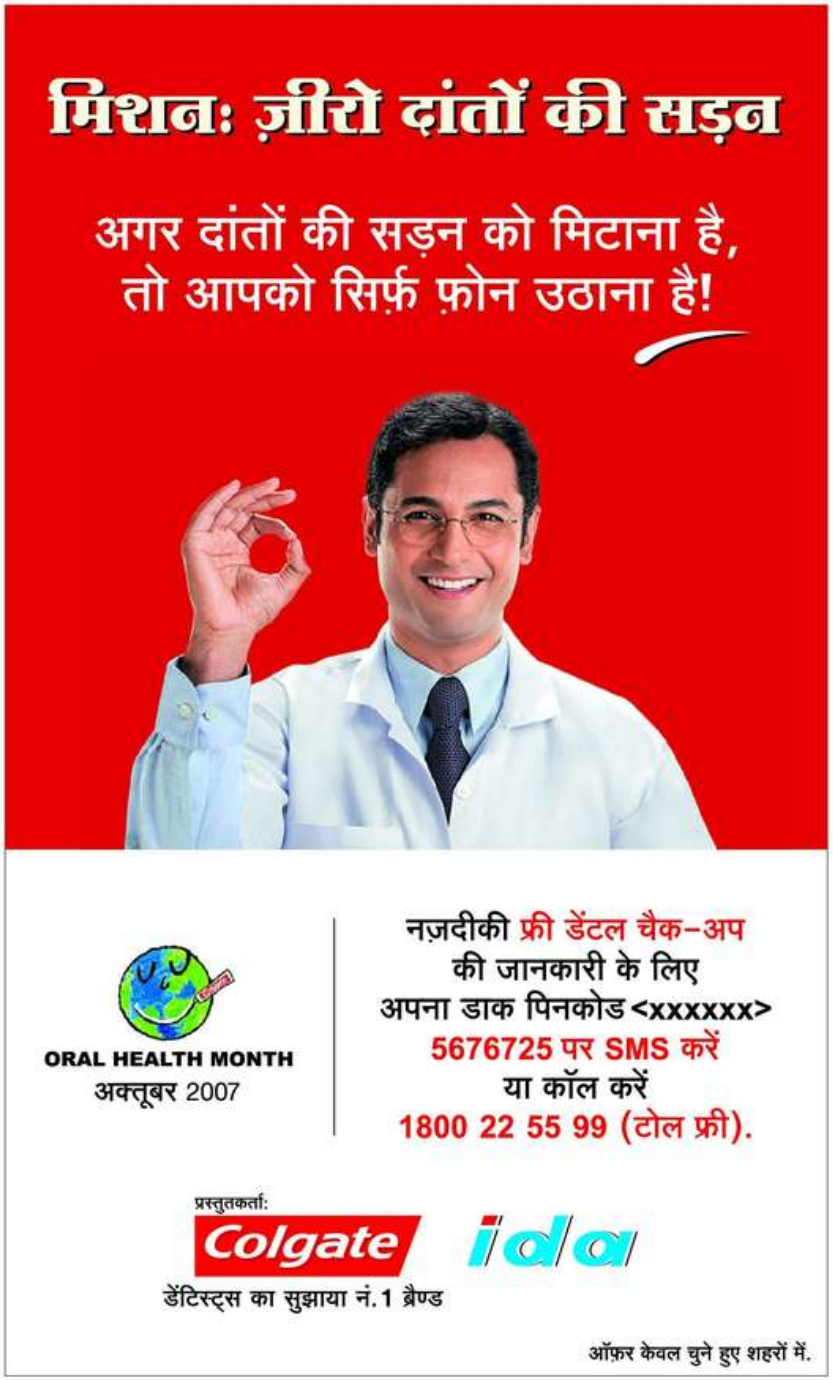
मिशन: ज़ीरो दांतों की सड़न
अगर दांतों की सड़न को मिटाना है,
तो आपको सिर्फ़ फ़ोन उठाना है!
ORAL HEALTH MONTH
अक्तूबर 2007
नज़दीकी फ्री डेंटल चैक-अप
की जानकारी के लिए
अपना डाक पिनकोड <xxxxxx>
5676725 पर SMS करें
या कॉल करें
1800 22 55 99 (टोल फ्री).
प्रस्तुतकर्ता:
Colgate
ida
डेंटिस्ट्स का सुझाया नं.1 ब्रैण्ड
ऑफ़र केवल चुने हुए शहरों में.

जागो ग्राहक जागो

अगर आप बिजली के बढ़ते बिल से परेशान हैं तो...

बीईई लेबल वाले एयर कंडीशनर का प्रयोग करें

आइये, जानिए और बचत करना शुरू कीजिए

एयर कंडीशनरों के लेबल

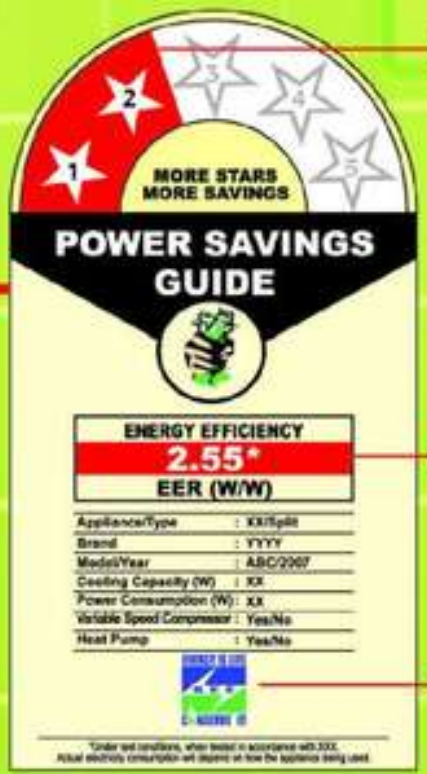

रंगीन पट्टी के सितारों को गिनें। जितने अधिक सितारे, उतनी ज्यादा बचत

ऊर्जा कार्यकुशलता अनुपात को जानिए (अधिक ईईआर का अर्थ है अधिक बचत)

लेबल की परिगणिकता के लिए बीईई लोगो को देखें

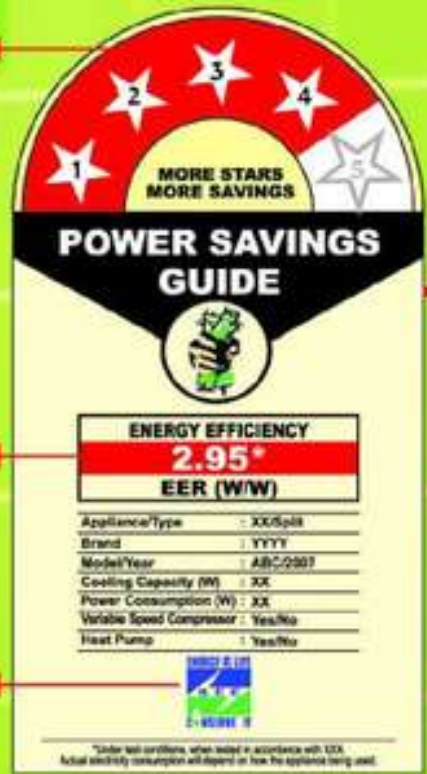

HERO HONDA
अगर हैं मसल्स
तो करें पार्टी
DELHI DAREDEVILS
के साथ
ले आएं नया मस्कुलर हंक और
तैयार हो जाएं पार्टी करने के लिए...
दिल्ली डेयरडेविल्स के साथ 21 मई* को.
या सिर्फ़ इसे टेस्ट राइड करें जिससे आपको मिल सकता है मौक़ा उन्हें मैच में खेलते हुए देखने का.
तो फिर फ़ौरन पहुँचें अपने नज़दीकी हीरो होन्डा डीलरशिप पर.
HERO HONDA
Hunk
BECAUSE
MUSCLES
MATTER
DRAFTFCB + ULKA 820437 HIN

विज्ञापन

कैंपस कॉलिंग

एससी-एसटी हैं अगर तो ये है दाखिले की डगर

दिल्ली विश्वविद्यालय में दाखिले लेने आए सामान्य श्रेणी के छात्रों के मुकाबले एससी-एसटी श्रेणी के छात्रों की राह ज्यादा मुश्किलों भरी होती है। देश के दूर-दराज के क्षेत्रों से आए इन छात्रों को छोटी-छोटी जानकारियों के अभाव में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। ये छात्र अन्य छात्रों के मुकाबले जानकारी के आसान स्रोत इंटरनेट के इस्तेमाल में कम कुशल होते हैं। कैरियर को लेकर उलझन और जानकारी जुटाने में हिचकिचाहट के चलते वे दाखिले के फेर में कैंपस में एक छोर से दूसरे छोर तक चक्करघिन्नी से घूमते रहते हैं। छोटी-छोटी जानकारियां दाखिले तक का उनका सफर कैसे आसान बना सकती हैं ब्योरा दे रहे हैं

अनुपम कुमार एवं विनय ठाकुर

दिल्ली विश्वविद्यालय देश के शीर्षस्थ शिक्षण संस्थानों में से एक है। इसमें दाखिला लेने के लिए दिल्ली के आस पास के राज्यों के ही छात्र नहीं बल्कि सुदूर दक्षिण व उत्तर पूर्व के राज्यों तक से छात्र आते हैं। इनमें एक बड़ी संख्या एससी एसटी छात्रों की होती है। जिनकी सुविधा के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय ने अलग से कई तरह की तैयारी की है। पर जानकारी के अभाव में ये छात्र उसका फायदा नहीं उठा पाते है । बल्कि कई बार उन्हें सामान्य छात्रों के मुकाबले नुकसान भी उठाना पड़ता है। वे कई तरह की गलतफहमी के शिकार होते हैं। बात जब सुविधा देने की होती है तो सरकारी नियम कायदे के अनुसार कई तरह की कागजी खाना पूर्ती करनी होती । कई तरह के दस्तावेज व प्रमाणपत्र दाखिले के लिए आवेदन करते समय जमा करने होते हैं। छोटी सी बात के लिए हजारों किलोमीटर का उनका सफर बेकार चला जाता है। साथ ही दूर दराज के क्षेत्र से आने के कारण उनके लिए अपने परिवार के सदस्यों से संपर्क साध जरूरी प्रमाण पत्र एवं कागजात तत्काल मंगाना मुश्किल होता है। ऐसे में उनके लिए यह जानना बेहद जरूरी है कि आरक्षण का लाभ लेने के लिए उन्हें किन किन चीजों का ध्यान रखना चाहिए।

दाखिले के लिए क्या करें

दाखिले के लिए विभिन्न कालेजों में आरक्षित 22.5 फीसदी सीटों के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय में रजिस्ट्रेशन करवाना होगा। इसके लिए दिल्ली विश्वविद्यालय ने चार सेंटर बनाएं हैं। नॉर्थ कैंपस आर्ट्स फैकल्टी, साउथ कैंपस, राजधानी कालेज, श्यामलाल कालेज। रजिस्ट्रेशन दो जून से सोलह जून तक होगा।

साथ में क्या क्या लेकर आएं

दो सेल्फ अटेस्टेटेड एससी -एसटी प्रमाणपत्र । यह प्रमाण पत्र आवेदक के नाम होना चाहिए। अगर आपके माता पिता के नाम से एससी एसटी प्रमाण पत्र है तो इसका अर्थ यह नहीं माना जाएगा कि आप भी एससी एसटी श्रेणी के छात्र हैं। दसवीं के सर्टिफिकेट का मूल तथा फोटकॉपी । बारहवीं का सर्टिफिकेट व मार्कशीट की मूल प्रति तथा फोटोकॉपी । साथ ही दो सेल्फ अटेस्टेड (अपने द्वारा प्रमाणित)

रजिस्ट्रेशन के बाद क्या करें

रजिस्ट्रेशन के बाद फॉर्म जमा करने वक्त आपको एक रसीद व कंप्यूटर पर्ची दी जाएगी जिसमें आपके द्वारा भरा गया कालेज व विषय का ब्योरा होगा। इसे लेकर 26 जून को नॉर्थ कैंपस में आना होगा। वहीं आपकी दाखिले की लिस्ट लगायी जाएगी।

कालेज-कोर्स बदलें कैसें

आवेदन की अंतिम तिथि समाप्त होने से पहले आप विषय बदलवा सकते हैं। इसके लिए आपको कंप्यूटर रसीद के साथ कालेज व विषय परिवर्तन के लिए आवेदन पत्र जमा करना होगा।

सामान्य वर्ग में कर सकते हैं आवेदन

अगर आपके अंक अच्छे हैं और घर के पास या किसी मनमाफिक कालेज में दाखिला चाहते हों तो आप समान्य वर्ग से भी आवेदन कर सकते हैं। समान्य वर्ग की कटऑफ लिस्ट में आप सीधे सीधे मेरिट के आधार पर दाखिला ले सकते हैं। ऐसा करने के बाद भी आपको कालेज में एससी एसटी छात्रों को मिलने वाली सुविधाएं जारी रहेगीं। लेकिन अगर आप आरक्षण का लाभ उठाना चाहते हैं तो आपको विश्वविद्यालय में रजिस्ट्रेशन कराना होगा। इसके लिए आप सीधे कालेज में आवेदन नहीं कर सकते हैं।

पिछले साल दाखिला नहीं लिया तो क्या करें

हां आपको दाखिले का दोबारा मौका दिया जा सकता है। आप निम्न में से कोई एक प्रमाण देते हैं तो आप दोबारा दाखिले का अपना दावा पेश कर सकते हैं। पिछले साल का मूल अस्थायी एडमिशन स्लिप अथवा पिछले साल के आवेदन पत्र की मूल रसीद, जिस पर विश्वविद्यालय की मुहर व आपका फोटोग्राफ लगा हुआ हो, आपके पास होनी चाहिए। **अगर दाखिले का समय निकल गया तो क्या करें** ऐसी स्थिति में आपको दाखिला तभी मिल सकता है जब सीटें खाली हो। अगर इस साल रजिस्ट्रेशन करा लिया है और दाखिला कालेज में नहीं लेते हैं तो इसका प्रमाण आपको संभाल कर रखना होगा। ताकि अगले वर्ष आवेदन का मौका मिल सके।

रजिस्ट्रेशन से यहां नहीं फायदा

जिन विषयों में प्रवेश परीक्षा के जरिए दाखिला दिया जाएगा वहां आपको विश्वविद्यालय में रजिस्ट्रेशन कराने से काम नहीं चलेगा। इसके लिए आपको संबंधित कालेज व विभाग में जाकर अलग से फॉर्म भरना होगा।

कालेज व कोर्स चुनते वक्त रखें ख्याल

कालेज के नाम पर न जाएं कालेज व विषय चुनने के लिए आपको कुछ बातों पर ध्यान देना होगा मसलन घर से कालेज की दूरी। अपने अंको का प्रतिशत देखें और जिन विषयों में रुचि है उनमें दाखिले के लिए प्रयास करें। अगर आपका कोई मित्र या सीनियर दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ रहा है तो उससे इस बात की जानकारी हासिल कर लें कि शिक्षक कैसा पढ़ाते हैं।

दोनों हाथों में न रखें लड्डू

आप एक बार में एक ही कोटे का लाभ उठा सकते हैं। अगर आपने एससी एसटी कोटे में आवेदन किया है तो आप खेल कोटे से दाखिले का अपना दावा पेश नहीं कर सकते हैं। इस बात का ध्यान रखें कि कालेज व विषय विशेष के संदर्भ में कौन सा कोटा ज्यादा कारगर होगा।

कैसे मिलेगी फीस में छूट

सिर्फ उन्ही एससी एसटी आवेदकों को फीस में छूट मिलती है जिनके माता पिता आयकर नहीं देते । इस सुविधा को प्राप्त करने के लिए दाखिले के बाद कॉलेज में आवेदन करना होगा।

कंपार्टमेंट हो तो क्या करें

कंपार्टमेंट होने पर आप भी आप रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। आपको जो दाखिला मिलेगा वह अस्थायी होगा। इसके लिए आपको पूरक परीक्षा पास करनी होगी। विज्ञान के ऑनर्स विषयों के लिए आपकी दावेदारी नहीं मानी जाएगी।

क्या करें क्या ना करें

अपनी रजिस्ट्रेशन पर्ची न खोएं निर्धारित तिथि में ही दाखिला लेना जरूरी है। अन्यथा आपकी दाखिला हासिल करने की दावेदारी रद्द हो जाएगी। फॉर्म भरने के लिए वश्वविद्यालय द्वारा मुहैया कराए गए काउंसलर से संपर्क करें। आवेदन फॉर्म में अधिक से अधिक कालेज व कोर्स को वरियता क्रम में भरें। यह सुनिश्चित कर लें कि रजिस्ट्रेशन फॉर्म व आईसीआर फॉर्म का क्रमांक एक ही हो।

ये जो है जिंदगी रजनीश कपूर
मेरे स्कूल में लड़कियां निबंध लिखा करती थीं कि जब मैं बड़ी होऊंगी तो क्या बनूंगी?
जबकि लड़कों का निबंध होता था–
अगर मैं बड़ा होऊंगा, तो क्या बनूंगा?
क्या? तुम्हें यह कुश्ती नहीं देखनी? क्या मैं टॉम और जैरी लगाऊं?

विज्ञापन

अगर तुम में है विश्वास अपनी राह ख़ुद बनाने का

अगर तुम में है हौसला उस राह पर अकेले बढ़ जाने का

अगर तुम में है मनोबल उसके उतार-चढ़ावों से गुज़र जाने का

तो तुम पाओगे कि राह ख़ुद ही तुमको राह दिखा रही है

तुम्हें मंज़िल का पता बता रही है

धीरूभाई हीराचंद अंबानी
२८ दिसंबर, १९३२ - सदैव

स्नेहपूर्ण याद में:
कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी, अंबानी परिवार, १० करोड़ से भी ज़्यादा उपभोक्ता, ७० लाख शेयरहोल्डर्स और नये रिलायंस परिवार के सदस्य.

RELIANCE
Anil Dhirubhai Ambani Group

अगर मैं कहूँ... अगर तुम मिल जाओ...

Agar main kahuun, Film: Lakshya. 2004. http://www.youtube.com/watch?v=GgoNppbAuAs
Agar tum mil jaao, Film: Zeher. 2005. http://www.youtube.com/watch?v=LniksVr4VZs

विज्ञापन

बनिए

प्रॉफ़िट पार्टनर

यदि आपमें चाहत है आगे बढ़ने की, अपना स्वयं का बिज़नेस शुरू करने की, तो जल्द ही सम्पर्क करें

AIBA
Department Store

Stores Category • Garment • Toys & Gift • Electronics • Jewellery • Shoes • Luggage • Pharma • Home Furnishing • Cosmetics

"ADVIONS INFRA & BASIC AMENITIES LTD" सर्वजन सुखाय की विचारधारा से पूर्णतः प्रतिबद्ध है। हम विकसित करेंगे भारत के सभी राज्यों के ज़िलों, तहसीलों, खण्डों और कस्बों में रहने वाले उन करोड़ों लोगों को, जिन्हें अभी तक आगे आने का अवसर ही नहीं मिला है।

इस अद्भुत विचारधारा के अंतर्गत हम ला रहे हैं **भारत के 523 ज़िलों में 7** ऐसे बिज़नेस प्लान जो आपको एक सफल बिज़नेस मैन बना देंगे और अपने एरिया में आपको एक अलग पहचान दिलवायेंगे। **315** से अधिक जिलों में **डिपार्टमेंटल स्टोर/सुपर मार्किट, सस्ते मल्टीस्टोरी फ्लैटस् की आवास योजना** जिनका मूल्य **2.40** लाख रूपये से **8.40** लाख रूपये तक होगा और **स्कूल/कॉलिज, अस्पताल, शॉपिंग मॉल्स एवं होटल** इत्यादि हमारी आवासीय योजनाओं के मुख्य आकर्षण होंगे। आप बनेंगे **गारंटीड सुनाफे** में हमारे **पार्टनर**।

मुख्य आकर्षण: निम्नलिखित राज्यों के सभी जिलों, तहसीलों, खण्डों और कस्बों के लिए बिज़नेस पार्टनरों की आवश्यकता:–

उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, उत्तराखण्ड, हरियाणा, पंजाब, जम्मू–कश्मीर, महाराष्ट्र, गुजरात, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, झारखण्ड, आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल, गोवा और पोंडिचेरी।

करिए शुभारंभ अपने बिज़नेस का जिसमें फ़ायदा ही फ़ायदा है

रीजनल डायरेक्टर (RD)

योग्यता–आवेदन शुल्क 5 लाख रूपये तथा चयन पश्चात निवेश राशि 2 करोड़ रूपये •शहर में 1500 से 2000 वर्ग फुट/140मी से 186मी का ऑफिस •प्रभावशाली व्यक्तित्व, सामाजिक व प्रशासनिक संबंधों से मजबूत।

आपका लाभ–3 लाख 50 हजार रूपये मासिक या अधिक।

डिस्ट्रिक्ट प्रॉफिट पार्टनर (DPP)

योग्यता–आवेदन शुल्क 2 लाख रूपये तथा चयन पश्चात निवेश राशि 25 लाख रूपये (डिपार्टमेंटल स्टोर के सामान/वेयरहाउस के रखरखाव के लिए) •शहर में 2000 से 2500 वर्ग फुट/186मी से 232मी की दुकान •शहर से बाहर 5000 वर्ग फुट/465मी वेयरहाउस के लिए।

आपका लाभ –1 लाख 20 हजार रूपये मासिक या अधिक।

प्रॉफिट पार्टनर (PP)

योग्यता–आवेदन शुल्क 1 लाख रूपये व चयन पश्चात निवेश राशि 6 लाख – 10 लाख रूपये (डिपार्टमेंटल स्टोर के सामान व रखरखाव के लिए) • शहर में 700 से 1200 वर्ग फुट/65मी से 112मी की दुकान।

आपका लाभ–27,000 – 45,000 रूपये मासिक या अधिक।

AIBA स्टोर जल्द खुल रहे हैं बहरोड़ और भिवाड़ी में।

पार्टनर बनने के लिए जो भी आवेदन पत्र 31 जनवरी तक प्राप्त होंगे, उनके स्टोर **प्रथम चरण** में खोले जायेंगे। स्टोर खोलने के स्थान का निरीक्षण कार्य शुरू किया जा चुका है।

AIBA के **100** स्टोर अप्रैल में राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पंजाब, बिहार, हरियाणा एवं एनसीआर में खुल रहे हैं।

AIBA

SMS
"aiba" at 54545
रजिस्ट्रेशन व आवेदन पत्र वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

रजिस्ट्रेशन के लिए कृपया संपर्क करें:
09717999754, 09717999746, 09717999748, 09717999749
09717999752, 09717999757, 09717999756, 09717999755
09717999762, 09717999751, 09717999747, 09717999758

आवेदन निम्न पते पर करें:
ADVIONS INFRA & BASIC AMENITIES LTD.
Customer Care Division
360, Udyog Vihar, Phase-II, Gurgaon-122002, Haryana
Tel: 0124 4566777 से लेकर 4566799 www.aiba.co.in

आवश्यकता है–प्रत्येक जिले में **चार फील्ड सेल्ज एग्जीक्युटिवस्** की। अपना बायोडेटा फोटो सहित पोस्ट करें।

- Sometimes, अगर and यदि is omitted in informal usage. In such cases, तो provides clue to the sentence type.

- Example follows.

जड़ी बूटियां चाहिए तो इस गली में आइये

बाजार: कटरा हुसैन बख्श

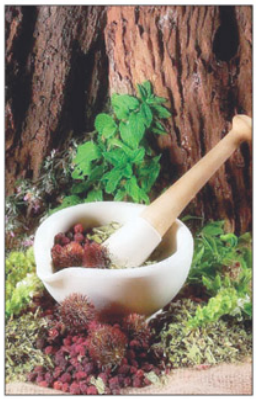

संगीतकारों के कटरे में हो रहा जड़ी बूटियों का कारोबार

चांदनी चौक क्षेत्र के कटरा हुसैन बख्श में जड़ी-बूटियों का थोक कारोबार होता है। शिलाजीत, मूसली, कुटकी, जटामासी, तगर गांठ, रीठा, आंवला, शिकाकाई, सतावर, फूलघान, तज, चिरायता या इसी प्रकार की अन्य जड़ी-बूटियां चाहिए तो जानकार लोग इसी कटरे का रुख करते हैं। लेकिन यह बहुत ही कम लोग जानते हैं कि कभी इस कटरे में मशहूर संगीतकार रियाज किया करते थे।

किराना कमेटी दिल्ली के कार्यकारिणी सदस्य विजय मास्टर का कहना है कि संगीत के शौकीन अंतिम मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर के दरबारी संगीतकारों की स्वर लहरियां यहां गूंजती थीं। यहां रहने वाले संगीतकार बादशाह के दरबार की शान हुआ करते थे। अब यहां उन संगीतकारों की यादगार तो नहीं लेकिन लोग अब भी दूर-दूर से यहां मेहंदी, मसाले ओर जड़ी-बूटियां खरीदने के लिए आते हैं।

वरिष्ठ व्यापारी बताते हैं कि शाहजहांनाबाद के निर्माण के समय पूरे चांदनी चौक क्षेत्र में सिर्फ 36 कटरे और कूंचे हुआ करते थे। लेकिन इस कटरे का निर्माण औरंगजेब के शासनकाल में हुआ था। 1827 ई. के आसपास अंतिम मुगल बादशाह बहादुरशाह जफर के समय में मियां कुतुब बख्श ने संगीत के क्षेत्र में बहुत धूम मचाई थी जिसकी वजह से बादशाह ने उन्हें तानरस की उपाधि प्रदान की। उन्हीं को बाद में तानरस खां के नाम से जाना गया। उनके शागिर्द अली बख्श, फतेह अली खां और हुसैन बख्श ने भी संगीत के क्षेत्र में खूब नाम कमाया। मियां हुसैन बख्श की कला पर प्रसन्न होकर बादशाह ने यह स्थान उन्हें उपहार स्वरूप दे दिया। कटरे के निर्माण के समय इसका नाम हुसैन बख्श पड़ा।

1905 के आसपास इस कटरे में व्यापार की शुरुआत हुई। बाद में इस कटरे की अधिकतर संपत्तियों को ठंडीराम जयनारायण फर्म द्वारा खरीद लिया गया। इसी फर्म के नरेश गर्ग के अनुसार इस कटरे में लगभग 40 दुकानें हैं। यहां प्रमुख रूप से जड़ी-बूटी, किराना और मेहंदी का थोक कारोबार होता है। शुरू में सिर्फ भूमितल पर ही कारोबार की शुरुआत हुई लेकिन समय के साथ ऊपर की मंजिलों पर भी दुकानें बनती चली गईं और आज यह कटरा पूरी तरह से व्यावसायिक हो गया है।

कारोबारियों का अनुमान है कि इस कटरे में लगभग 40 करोड़ वार्षिक का कारोबार होता है। इस कटरे का एक द्वार खारी बावली और एक पीछे की ओर कटरा पेड़ान में खुलता था लेकिन अब खारी बावली की ओर का द्वार ही रह गया है।

हीरेन्द्र एस. राठौड़

विज्ञापन

Unrealized Past

- both clauses with imperfective participle. See last line of the joke!

एक लड़का एक लड़की के साथ पहली बार डेट पर जा रहा था। उसे फिक्र यह थी कि वह बात क्या करेगा। उसके पिता ने कहा कि देखो तीन विषय बातचीत में हमेशा हिट रहते हैं- खाना, परिवार और फिलॉसफी। वह पिता की बात गांठ बांधकर डेट पर गया। जब बातचीत की शुरुआत करनी थी तो उसे अपने पिता का पहला सूत्र याद आया। उसने पूछा- क्या तुम्हें समोसे पसंद हैं?

लड़की ने कहा- नहीं। दोनों चुप बैठे रहे। फिर लड़के ने कहा- क्या तुम्हारा कोई भाई है? लड़की ने कहा- नहीं। ... फिर चुप्पी। तीसरा फार्मूला याद कर लड़का बोला- अगर तुम्हारा भाई होता तो क्या उसे समोसे पसंद होते।